LATEST EDITION

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2022

RPSC

राजस्थान

2nd GRADE

वरिष्ठ अध्यापक (PAPER-1)

[भाग -2]

भूगोल (भारत + विश्व) +अर्थव्यवस्था
राजव्यवस्था + राजस्थान करंट अफेयर्स

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान करंट अफेयर्स

1. राजस्थान का समसामयिकी

विश्व भूगोल

1. महाद्वीप, महासागर और उनकी विशेषताएं
2. वैश्विक पवन प्रणाली
3. पर्यावरणीय मुद्दे और रणनीतियाँ
4. वैश्वीकरण और इसके प्रभाव
5. जनसंख्या वितरण और प्रवास

भारत का सामान्य ज्ञान

1. स्थिति एवं विस्तार भौतिक विशेषताएं
2. मानसून प्रणाली
3. जल निकासी (अपवाह तंत्र)
4. वनस्पति
5. खनिज एवं उर्जा संसाधन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. भारत में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में वृद्धि और विकास
2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद
3. भारत का विदेश व्यापार : रुझान, संरचना और दिशा

भारतीय संविधान

1. भारत सरकार के 1919 और 1935 के अधिनियमों के विशेष संदर्भ में भारत का संवैधानिक इतिहास
2. अम्बेडकर की भूमिका, संविधान का निर्माण
3. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं
4. मौलिक अधिकार
5. राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत
6. मौलिक कर्तव्य / मूल कर्तव्य
7. भारतीय राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के कार्यालय
8. भारत का संघीय सिस्टम
9. राजनीतिक दल और दबाव समूह

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

10. भारत की विदेशी नीति के सिद्धांत और इसके निर्माण में नेहरु का योगदान

11. भारत और संयुक्त राष्ट्र संघ

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के "राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक) - 2022" के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8233195718, 9694804063, 8504091672) । किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है । अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 9887809083, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी ।

अध्याय – I

राजस्थान करंट अफेयर्स

अक्टूबर – 2021

- खेल रत्न पुरस्कार राजस्थान के किन खिलाड़ियों को मिलेगा

  Answer-अवनी लेखरा, कृष्णा नागर
- राजस्थान वन्यजीव प्रबंध एवं प्रशिक्षण संस्थान कहां स्थापित किया गया है ? - **चुरू**
  - **राजस्थान वन्यजीव प्रबंध एवं प्रशिक्षण संस्थान**
  - मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2021-22 के बजट में की गई घोषणा की अनुपालना में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने 1 अक्टूबर 2021 को **चूरू** के ताल छापर में वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट एंड डेजर्ट इको-सिस्टम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया।
- राजस्थान के एथलेटिक कोच महावीर सैनी को द्रोणाचार्य अवार्ड देने की घोषणा हुई है यह राजस्थान के किस एथलीट के कोच हैं

  Answer-सुंदर सिंह गुर्जर
- महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के नए कुलपति बने हैं।

  Answer-प्रो. अनिल कुमार शुक्ला
- जयपुर के चोप गांव में विश्व का तीसरा बड़ा क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया गया इसकी दर्शक क्षमता होगी

  Answer-75,000
- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने **ग्राम पंचायतों द्वारा नवीन कार्यों के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करने की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये** करने की मंजूरी दी है।
- प्रशासन शहरों के संग अभियान राजस्थान में कब से कब तक चलेगा

  Answer-2 अक्टूबर से 31 मार्च 2022

- प्रशासन गांव के संग अभियान कब से कब तक चलेगा

Answer-2 अक्टूबर से 17 दिसंबर 2021

- **प्रशासन गांवों और शहरों के संग अभियान-2021**- बिजली की बकाया राशि जमा कराने पर कृषि उपभोक्ताओं को शत-प्रतिशत एवं घरेलू उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत पैनल्टी में छूट मिलेगी।

प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के तहत शिविरों का आयोजन **2 अक्टूबर 2021 से 31 मार्च 2022** के बीच किया जा रहा है।

- 10 लाख पट्टा वितरण का लक्ष्य
- आवेदन की तकनीकी सहायता हेतु स्वैच्छिक नगर मित्र की सुविधा।
- कार्यों के शीघ्र निस्तारण के लिए निकाय स्तर पर **एम्पावर्ड कमेटी का गठन**।
- 213 नगरीय निकाय, 3 विकास प्राधिकरण, 14 नगर सुधार न्यास, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, बीडा सहित **8 विभाग** शामिल।
- चुनावों के कारण **अलवर, धौलपुर, उदयपुर व प्रतापगढ़** में प्रशासन शहरों के संग अभियान को स्थगित कर दिया गया है

- **प्रशासन गांवों के संग अभियान-2021**

- 2 अक्टूबर से 17 दिसम्बर 2021 तक।
- आमजन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा।
- इस अभियान के तहत **प्रदेश की 352 पंचायत समितियों** में **कुल 11,341 ग्राम पंचायत मुख्यालयों** पर शिविर आयोजित होंगे। (अर्थात सभी ग्राम पंचायतों में शिविर लगेंगे)
- **22 विभागों द्वारा** आमजन से जुड़े विभिन्न कार्य संपादित किए जाएंगे। (राजस्व विभाग सहित)
- **मुख्यमंत्री कोरोना बाल कल्याण योजना** में भी आवेदन। किए जा सकेंगे।

अभियान में सीमाज्ञान और पत्थरगढ़ी, विद्युत सप्लाई, खराब मीटर, हैण्ड पम्प मरम्मत एवं पाइप लाईन लीकेज ठीक करना, जन आधार में नाम जुड़वाने और हटाना, शौचालय निर्माण हेतु आवेदन प्राप्त करना और पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों को पहचान पत्र जारी

करने सहित आमजन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्य कार्य संपादित किए जाएंगे। साथ ही शिविर स्थल पर .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

FREE SAMPLE

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें- 8233195718, 9887809083, 9694804063, 8504091672,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जनवरी – 2022

राज्य में घर से उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने के 'ई-दाखिल पोर्टल' का उद्घाटन किया गया –

राज्य में 28 जनवरी, 2022 को राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जयपुर के अध्यक्ष न्यायाधिपति बनवारी लाल शर्मा ने 'ई-दाखिल पोर्टल' का उद्घाटन किया। अब राज्य के उपभोक्ता अपनी शिकायतों को उपभोक्ता आयोगों में ई-दाखिल के माध्यम से ऑनलाइन के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे।

राज्य में नयी मुख्य सचिव की नियुक्ति –

31 जनवरी 2022 को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की वरिष्ठ अधिकारी ऊषा शर्मा को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। ऊषा शर्मा 1985 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह केन्द्रीय सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग, महानिदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, आयुक्त उद्योग, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त, जिला कलेक्टर (बूंदी व अजमेर) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं।ऊषा शर्मा के पास राजस्थान राज्य खान व खनिज निगम लिमिटेड उदयपुर के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार भी रहेगा। उल्लेखनीय है कि शर्मा राज्य की नौकरशाही के इस सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाली दूसरी महिला अधिकारी हैं।

पीएम वाणी योजना की शुरुआत –

केन्द्र सरकार की पीएम वाणी योजना (फ्री इंटरनेट योजना) का शुभारंभ राजस्थान में प्रतापगढ़ जिले में हुआ। इस योजना से अब वाई फाई के जरिए निःशुल्क इंटरनेट डेटा मिल सकेगा। Prime Minister Wi-fi Access Network Interface;PM WANI)

FREE SAMPLE

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (IIT-J) ने छाती की एक्स-रे का उपयोग करके COVID 19 निदान तकनीक का आविष्कार किया -

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (IIT-J) के शोधकर्ताओं द्वारा हाल ही.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

फरवरी – 2022

डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार : -

2 फरवरी, 2022 को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र द्वारा प्रदत्त किया जाने वाला प्रतिष्ठित 'डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार' जयपुर के लोककला मर्मज्ञ विजय वर्मा को स्वास्थ्य कारणों से उनके निवास स्थान पर प्रदान किया गया। राज्य के राज्यपाल एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष कलराज मिश्र के निर्देशानुसार राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने विजय वर्मा के निवास पर पहुँचकर उन्हें सम्मानित किया।

राजस्थान के जाने-माने कला मर्मज्ञ पँभूषण डॉ. कोमल कोठारी की स्मृति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा दिया जाने वाला 'डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार' हेतु इस बार संयुक्त रूप से महाराष्ट्र के ठाणे के कला मनीषी डॉ. प्रकाश सहदेव खांडगे तथा जयपुर के विजय वर्मा को चुना गया था।

एनसीसी राजस्थान ने फ्लैग एरिया प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान : -

4 फरवरी, 2022 को राज्य के पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह को पर्यटन भवन में कर्नल जितेंद्र कुमार (एस.सी.) निदेशक, नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) और कर्नल संजय गुप्ता, कंटिंजेंट कमांडर, एनसीसी ने स्मृति चिह्न और एनसीसी कैप प्रदान किया गया ।

राजस्थान एनसीसी निदेशालय के 57 एनसीसी कैडेट्स ने दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड शिविर में 17 दिसंबर, 2021 से 29 जनवरी, 2022 तक भाग लिया था। आरडीसी कैंप में राजस्थान के कैडेट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। कैंप

में लाईन एरिया प्रतियोगिता, फ्लैग एरिया प्रतियोगिता, ड्रिल प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गईं।

राज्य की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिये पर्यटन विभाग ने राजस्थान की कला, संस्कृति और विरासत की जानकारी प्रदान करके एनसीसी कैडेट्स की मदद की थी। नतीजतन, कैडेट्स ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और फ्लैग एरिया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, सांस्कृतिक प्रतियोगिता में चौथा स्थान तथा समग्र रूप से आरडीसी 2022 में तीसरा स्थान हासिल किया है।

राज्य के जयपुर जिले में विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास :-

5 फरवरी, 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर के चौंप में विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

- चौंप का यह स्टेडियम अहमदाबाद के मोटेरा एवं ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के बाद विश्व का तीसरा और भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। इसकी दर्शक क्षमता 75 हज़ार होगी।
- इस स्टेडियम को बनाने के लिये बीसीसीआई राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को 100 करोड़ रुपए अनुदान देगी।

यह स्टेडियम 5 साल में लगभग 650 करोड़ की लागत से दो चरणों में बनेगा। पहले चरण में 40 हज़ार दर्शक क्षमता और.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 9887809083, 8504091672,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें– 8233195718, 8504091672, 9887809083, 9694804063,

FREE SAMPLE

मार्च – 2022

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) में आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रिब्यूशन टू द बिज़नेस ऑफ़ सिनेमा का अवार्ड किसे प्रदान किया जाएगा।

रिफ फिल्म क्लब द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल)रिफ (का आठवां संस्करण 25 से 30 मार्च 2022 को आयोजित किया गया और साथ में राजस्थान दिवस का जश्न भी मनाया गया । इस वर्ष राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल)रिफ (में आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रिब्यूशन टू द बिज़नेस ऑफ सिनेमा का अवार्ड फिल्म व्यापार विश्लेषक कोमल नाहटा को दिया जाएगा । कोमल नाहटा एक प्रमुख फिल्म ट्रेड एनालिस्ट हैं। उनकी पत्रिका "फिल्म इन्फॉर्मेशन सबसे पुरानी व्यापार पत्रिका है, क्योंकि इसकी शुरुआत 1973 में उनके स्वर्गीय पिता श्री रामराज नाहटा ने की थी।

प्रदेश के किस जिले में 20 करोड़ रुपये की राशि से आवासीय पैरा खेल अकादमी स्थापित किया जाएगा।

पैरा खिलाड़ियों को उच्च तकनीकी प्रशिक्षण, ट्रेनिंग उपकरणों व अभ्यास हेतु जयपुर व जोधपुर में 20 - 20 करोड़ रुपये की राशि से आवासीय पैरा खेल अकादमी स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। ओलम्पिक पदक विजेताओं को निःशुल्क 25 बीघा कृषि भूमि आवंटित किये जाने वाले प्रावधान को, पैरालम्पिक खेलों के पदक विजेताओं के लिए भी लागू किया जाएगा । राजस्थान सरकार द्वारा यह घोषणा बजट 2022 में की थी ।

प्रदेश के जिले में 1800 मेगावाट क्षमता के दो नए सोलर पार्क विकसित किए जाएंगे?

केंद्रीय अक्षय ऊर्जा मंत्रालय ने राज्य में सौर पार्क विकास के पहले चरण में दो सौर पार्कों को मंजूरी दी है। जैसलमेर में 800 मेगावाट और बीकानेर में 1000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क विकसित किए जाएंगे। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश की यह दूसरी बड़ी उपलब्धि है। जैसलमेर में सोलर पार्क राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम द्वारा स्थापित किया जाएगा। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की सहायक कंपनी राजस्थान सोलर पार्क डेवलपमेंट ने

बीकानेर के सोलर पार्क के विकास को मंजूरी दे दी है। इन दोनों पार्कों को केंद्र सरकार की योजना के तहत विकसित किया जाएगा। इस पार्क के बनने से सैंकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं राज्य में सस्ती बिजली मिलेगी। जिससे लंबे समय में बिजली उपभोक्ताओं को फायदा होगा । अभी 2245 मेगावाट क्षमता का विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क भी राजस्थान के जोधपुर जिले के भडला में विकसित किए जाने का श्रेय भी राजस्थान को ही है। प्रदेश में 10560 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित की जा चुकी है। इस तरह से 10 गीगावाट सौर ऊर्जा विकसित करने वाला राजस्थान देश का पहला प्रदेश बन चुका है।

राज्य सरकार द्वारा कितने करोड़ रुपये की लागत से EWS कोष बनाने की घोषणा की गई है?

राजस्थान सरकार द्वारा सामान्य श्रेणी के Economically Weakers Section (EWS) परिवारों को भी आर्थिक उन्नति के.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

महाद्वीप, महासागर और उनकी विशेषताएं

महाद्वीप Continents

- समुद्र तल से ऊपर उठते हुए पृथ्वी के विशाल भू-खंड को महाद्वीप कहते हैं।
- प्रति पर मुख्यतः साथ विशाल भू-खंड है अथवा महाद्वीप है - एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप,ऑस्ट्रेलिया।
- एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है।यह उत्तरी गोलार्ध में स्थित है।
- एशिया और यूरोप यूराल पर्वत और युवराज नदी के द्वारा एक- दूसरे से अलग होते हैं।
- अफ्रीका विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- अफ्रीका को एशिया से स्वेज नहर अलग करती है।
- अफ्रीका महाद्वीप के पीछे विषुवत् वृत्त (Equator) गुजरता है इसलिए अफ्रीका का आधा भाग उत्तरी गोलार्ध में तथा आधा भाग दक्षिणी गोला गोलार्द्ध में है।
- उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप पनामा देश की पूर्वी सीमा पर मिलते हैं।
- संपूर्ण उत्तरी अमेरिका महाद्वीप उत्तरी गोलार्द्ध में है, जबकि दक्षिणी अमेरिका का अधिकांश भाग दक्षिणी गोलार्द्ध में है।
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप दक्षिणी गोलार्द्ध में है।
- ऑस्ट्रेलिया को द्वीपीय महाद्वीप भी कहते हैं।
- अटलांटिका का क्षेत्रफल यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के सम्मिलित क्षेत्रफल से अधिक है।
- अंटार्कटिका महाद्वीप के लगभग केंद्र में दक्षिणी ध्रुव स्थित है।
- अटलांटिका महाद्वीप की एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जहां मनुष्य स्थायी रूप से नहीं बसा है।
- उत्तरी गोलार्द्ध को स्थल गोलार्द्ध को भी कहते हैं।
- इस गोलार्द्ध में पृथ्वी के कुल स्थलीय भाग का ४.5 प्रतिशत भू-भाग विद्यमान है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

एशिया :

- एशिया शब्द की उत्पत्ति हिब्रू भाषा के आसु से हुई है,जिसका शाब्दिक अर्थ उदित सूर्य से है। यह संसार का सबसे बड़ा महाद्वीप है वह विश्व के लगभग 30% क्षेत्रफल पर विस्तृत है। इससे होकर तीन प्रमुख अक्षांशीय वृत्त विषुवत, कर्क एवं आर्कटिक गुजरते हैं।
- एशिया के उत्तर में आकृटिक महासागर, दक्षिण में हिंद महासागर और पूर्व में प्रशांत महासागर हैं। पश्चिम में यूराल पर्वत, कैस्पियन सागर, काला सागर व भूमध्य सागर एशिया और यूरोप की सीमा बनाती है।
- लाल सागर और स्वेज नहर एशिया को अफ्रीका से अलग करता है।
- बेरिंग जलसंधि एशिया को उत्तरी अमेरिका से अलग करती है।
- यहाँ विश्व की लगभग 60% जनसंख्या (सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप) निवास करती है।
- एशिया महाद्वीप में अति प्राचीन युग के स्थल खंड अंगरालैंड (रूस एवं चीन) और गोंडवाना - लैंड (प्रायद्वीपीय भारत) स्थित है।
- एशिया महाद्वीप में तीन प्रमुख प्रायद्वीप हैं - अरब का प्रायद्वीप, दक्कन का प प्रायद्वीप, इंडोचीन का प्रायद्वीप। अरब प्रायद्वीप विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है।

एशिया में विश्व का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर हिमालय पर्वतमाला श्रेणी का माउंट एवरेस्ट (8,850 मीटर) है, जो नेपाल में स्थित है, जहां इसे सागरमाथा के नाम से.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें– 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

दक्षिणी अमेरिका :

- दक्षिणी अमेरिका का अधिकांश विस्तार दक्षिणी गोलार्ध में है यह विश्व का चौथा बड़ा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल 1,77,98,500 वर्ग किमी. है। यह संसार का सबसे आद्र महाद्वीप है।
- प्रशांत और अटलांटिक महासागर के बीच अवस्थित यह महाद्वीप पनामा जलसंधि द्वारा उत्तरी अमेरिका से मिला हुआ है। इस महाद्वीप के दक्षिणी भाग में तेराडेल फ्यूगो नामक द्वीप है, जो मुख्य भूमि से मैगलन जलसंधि के द्वारा अलग होता है। इसका दक्षिणतम सिरा हॉर्न अन्तरीप है।
- दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील की सीमा चिली और इक्वाडोर को छोड़कर शेष सभी दक्षिणी अमेरिकी देशों की सीमा से मिलती है।
- भूमध्य रेखा पर स्थित दक्षिणी अमेरिका के देश इक्वाडोर, कोलंबिया एवं ब्राज़ील।
- दक्षिणी अमेरिका में पेरु -बोलीविया सीमा पर विश्व की सबसे अधिक ऊंची नौकायन झील टिटिकाका (3811 मीटर ऊंचाई पर) है। यह बोलीविया पठार पर स्थित है।

द. अमेरिका के ब्राजील में बहने वाली अमेजन नदी विश्व में अपवाह क्षेत्र की दृष्टि से प्रथम नदी है और इस महादेश की सबसे लंबी नदी है। यह नदी बेसिन ब्राजील के कुछ भागों पेरू के कुछ भागों, बोलिविया, इक्वाडोर कोलंबिया तथा वेनेजुएला के छोटे भाग से अपवाहित होती है। अमेजन बेसिन के लोगों का मुख्य आहार मेनियोक है जिसे कसावा भी कहते हैं, यह आलू की तरह जमीन के अंदर पैदा.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***महासागर***

पृथ्वी का जल से ढका भाग जलमण्डल कहलाता है।

पृथ्वी के लगभग 70.8% भाग पर जलमण्डल का विस्तार है। उत्तरी गोलार्द्ध के लगभग 40% तथा दक्षिणी गोलार्द्ध के 81% भाग पर जलमण्डल का विस्तार है।

जलमण्डल को आकार और स्थिति की दृष्टि से महासागर (Ocean), सागर a), खाड़ियों (straits) आदि में विभाजित किया जाता है।

जलमण्डल के अंतर्गत प्रमुख रूप से चार महासागर हैं--प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर ।

प्रशांत महासागर

यह पृथ्वी का सबसे बड़ा एवं गहरा महासागर है, जो लगभग 1,65,246,200 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।

प्रशांत महासागर की आकृति लगभग त्रिभुजाकार है, जिसका शीर्ष उत्तर में बेरिंग के मुहाने पर है।

प्रशांत महासागर के पश्चिम में एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, पूर्व में उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका और दक्षिण में अंटार्कटिका महाद्वीप है।

प्रशांत महासागर के बेसिन के अधिकांश भागों की गहराई लगभग 7,300 मीटर तक है।

जलमण्डल

प्रशांत महासागर में 20,000 से भी अधिक द्वीप हैं। प्रशांत महासागर का उत्तरी भाग सबसे अधिक गहरा है जिसकी औसत गहराई 5,000 से 6,000 मीटर है।

FREE SAMPLE

प्रशांत महासागर में मिंडनाओ गर्त की गहराई 10,000 मीटर से भी अधिक है। अटाकामा तथा टोंगा गर्त क्रमशः लगभग 8,000 और 9,000 मीटर गहरे हैं। अल्युशियन, क्युराइल, जापान तथा बेनिन महत्त्वपूर्ण गर्त हैं जिनकी गहराइयाँ 7,000 से 10,000 मीटर तक हैं।

अटलांटिक महासागर

अटलांटिक महासागर आकार में प्रशांत महासागर के लगभग आधा है। यहसम्पूर्ण संसार के लगभग छठे भाग में विस्तृत है।

अटलांटिक महासागर की आकृति अंग्रेजी भाषा के अक्षर 's' से मिलती-जुलती है।

अटलांटिक महासागर का क्षेत्रफल 82,441,500 वर्ग किमी है।

अटलांटिक महासागर के पश्चिम में दोनों अमेरिका तथा पूर्व में यूरोप और अफ्रीका स्थित हैं। दक्षिण में यह खुला हुआ है और अंटार्कटिका महाद्वीप तक विस्तृत है। उत्तर में यह.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

वैश्विक पवन प्रणाली

विश्व की प्रमुख स्थानीय पवनें, प्रकृति एवं उनके स्थानः :-

स्थानीय पवनें किसे कहते हैं?

स्थानीय धरातलीय बनावट, तापमान एवं वायुदाब की विशिष्ट स्थिति के कारण स्भावतः प्रचलित पवनों के विपरीत प्रवाहित होनें वाली पवनें **"स्थानीय पवनों" या "स्थानीय हवाएँ" (local winds)** के रूप में जानी जाती हैं। इनका प्रभाव अपेक्षाक्रत छोटे छेत्रों पर पडता हैं। ये **क्षोभमण्डल (Troposphere)** की सबसे नीचे की परतों तक सीमित रहती हैं।

नोटः क्षोभमण्डल पृथ्वी के वायुमंडल का सबसे निचला हिस्सा होता हैं।

व्यापारिक पवनें किसे कहते हैं?

दक्षिणी अक्षांश के क्षेत्रों अर्थात उपोष्ण उच्च वायुदाब कटिबंधों (Subtropical high Pressure zone) से भूमध्य रेखीय निम्न वायुदाब कटिबंध (Equatorial low Pressure zone) की ओर दोनों गोलाद्धों में वर्ष भर निरन्तर प्रवाहित होने वाले पवन को **व्यापारिक पवन (Trade winds)** कहा जाता हैं। ये पवन वर्ष भर एक.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ हैं यह एक **सैंपल मात्र** हैं / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी हैं जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को

FREE SAMPLE

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9887809083, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें– 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

FREE SAMPLE

- ***हरमट्टन***

हरमट्टन सहारा मरुस्थल से दक्षिण पश्चिम दिशा में चलनें वाली गर्म तथा शुष्क हवा हैं। हरमट्टन के आने से अफ्रीका का उष्ण पश्चिमी तट सुहावना हो जाता हैं। हरमट्टन ट्वी भाषा के शब्द "हरमाटा" से लिया गया हैं।[3] इसी प्रभाव के कारण गिनी तट पर इस हवा को ***डाक्टर वायु*** *के नाम से.....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 3

पर्यावरणीय मुद्दे और रणनीतियाँ

पारिस्थितिकी विज्ञान विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत जीव- विज्ञान तथा भूगोल के मौलिक सिद्धात की पारस्परिक व्याख्या की जाती है अर्थात किसी कालखण्ड विशेष मे, किसी स्थान पर जीवों का उसके पर्यावरण के साथ पारस्परिक सम्बन्धो का अध्ययन पारिस्थितिकी हलाता है।

Ecology लैटिन भाषा के 2 शब्दो से मिलकर बना हुआ - OIKOS ओर LOGOS जहाँ OIKOS से आशय है निवास स्थान जबकि LOGOS अध्ययन शब्द को प्रतिबिम्बित करता है अर्थात् किसी जीव के निवास स्थान या आवास के अध्ययन को पारिस्थितिकी कहा जाता है।

इकोलॉजी शब्द के जन्मदाता राइटर है, जबकि इस शब्द की सैद्धान्तिक व्याख्या अर्नेस्ट हैकल ने प्रस्तुत की थी इसलिए पारिस्थितिक विज्ञान या जन्मदाता हैकल को ही समझा जाता है।

Leveles of ecological study [पारिस्थितिक विज्ञान अध्ययन के विभिन्न स्तर]

1. जनसख्या (Population)
2. समस्ती (Cummunity)
3. पारितन्त्र (Eco-System)
4. बायोम (जीबोम)
5. जैवमण्डल (Bio-sphere)

1. जनसंख्या :- किसी निश्चित कालखण्ड में स्थान विशेष पर समान प्रजाति मे पाये जाने वाले जीवों की कुल संख्या को परिस्थितिक जनसंख्या कहते है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यहाँ प्रजाति से आशय है वह जैव-समूह जिसमे

स्वरूपगत , आनुवाशिक भिन्नता हो तथा सफल लैंगिंग एवं अलैंगिक प्रजनन पाया जाता है। जनसंख्या पारिस्थितिकी के.....

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

- **ओजोन अवक्षय**

ओजोन एक वायुमण्डलीय गैस है या ऑक्सीजन का एक प्रकार है। ऑक्सीजन) 02) के दो परमाणुओं)Atoms) से जुड़ने से ऑक्सीजन गैस)02) गैस बनती है, जिसे हम सांस लेते समय फेफड़ों के अंदर खींचते हैं। तीन ऑक्सीजन परमाणुओं के जुड़ने से ओजोन)03) का एक अणु बनता है। इसका रंग हल्का नीला होता है और इससे तीव्र गंध आती है।

ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल)Stratosphere) में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं। वायुमंडल में व्याप्त समस्त ओजोन का कुल 90 प्रतिशत भाग समताप मंडल में पाया जाता है। वायुमंडल में ओजोन का कुल प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत ही कम है। प्रत्येक दस लाख वायु अणुओं में दस से भी कम ओजोन अणु होते हैं।

ओजोन की कुछ मात्रा निचले वायुमंडल (क्षोभमण्डल) में भी पाई जाती है। रासायनिक रूप से समान होने पर भी दोनों स्थानों पर ओजोन की भूमिका महत्वपूर्ण है।

समताप मंडल में यह पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी विकिरण)Utraviolet Radiation)से बचाने का काम करती है।

क्षोभमण्डल में ओजोन हानिकारक संदूषक (Pollutants) के रूप में कार्य करती है और कभीकभी प्रकाश रासायनिक धूम भी बनाती है।- क्षोभमण्डल में यह गैस.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

- **पर्यावरणीय रणनीतियाँ**

भारतीय संविधान को 1950 में लागू किया गया लेकिन यह संविधान सीधे तौर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों से नहीं जुड़ा था। इसलिए सन् 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन ने भारत सरकार का ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर दिया । सरकार ने 1976 में संविधान में संशोधन कर दो महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद 48 ए तथा 51 ए (जी) जोड़ें। अनुच्छेद 48 ए राज्य सरकार को निर्देश देता है कि वह 'पर्यावरण की सुरक्षा और उसमें सुधार सुनिश्चित करे, तथा देश के वनों तथा वन्यजीवन की रक्षा करें'। अनुच्छेद 51 ए (जी) नागरिकों को कर्तव्य प्रदान करता है कि वे 'प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे तथा उसका संवर्धन करे और सभी जीवधारियों के प्रति दयालु रहे'।

पर्यावरण की गुणवत्ता की इस कमी में प्रभावी नियंत्रण व प्रदूषण के परिप्रेक्ष्य में सरकार ने समय-समय पर अनेक कानून व नियम बनाए।

पर्यावरणीय कानून व नियम निम्नलिखित हैं:

- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- जलु प्रदूषण संबंधी-कानून
- रीवर बोडर्स एक्ट, 1956
- जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- जल उपकर (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1977
- वायु प्रदूषण संबंधी कानून
- फैक्ट्रीज एक्ट, 1948
- इनफ्लेमेबल्स सबस्टा<सेज एक्ट, 1952
- वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981

- भूमि प्रदूषण संबंधी कानून
- फैक्ट्रीज एक्ट, 1948
- इण्डस्ट्रीज (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 1951

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

जनसंख्या वितरण और प्रवास

जनसंख्या वृद्धि

प्लायोसीन काल (जब से मानव का पृथ्वी पर उद्भव हुआ है) से लेकर आज तक मानव जनसंख्या में वृद्धि असमान दर से हुई है, जिसे कई कारकों ने प्रभावित किया है। जब तक मानव आखेटक एवं संग्रहकर्ता था, तब तक जनसंख्या वृद्धि सीमित ही रही, लेकिन कृषि के विकास के कारण जनसंख्या वृद्धि तेज हुई और 1 ई. में यह 30 करोड़ हो गई और 1750 ई. में 76 करोड़ । तत्पश्चात् औद्योगिक क्रान्ति ने जनसंख्या वृद्धि के पैटर्न में अप्रत्याशित वृद्धि ला दी और 31 अक्टूबर, 2011 को ये 7 अरब हो गई। हालाँकि वर्तमान में हो रही जनसंख्या वृद्धि के लिए अधिकांशतः विकासशील एवं गरीब देश जिम्मेदार हैं।

किसी भी स्थान पर जनसंख्या वृद्धि दो बातों पर निर्भर करती है

1. प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि (Natural Growth Rate) जब मृत्युदर जन्मदर अधिक हो जाती है ।

2. स्थानान्तरण द्वारा जनसंख्या वृद्धि जब प्रवास (Migration) से उत्प्रवास (Emigration) अधिक बढ़ जाता है।

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त (Theory of Demographical Transition) जनसंख्या वृद्धि से सम्बन्धित है, जिसे थॉम्पसन एवं नोटेस्टीन ने प्रस्तुत किया था। इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश की जनसंख्या में वृद्धि क्रमिक चरणों में होती है . और ये चार चरण

हैं, जिनसे होते हुए एक पशुपालक व कृषि समाज अन्ततः एक औद्योगिक व नगरीय समाज में परिवर्तित हो जाता है, निम्नलिखित हैं

चरण	वृद्धि की अवस्था	जनांकिकीय विशेषता
प्रथम	जनसंख्या वृद्धि की अस्थिर अवस्था	जन्म व मृत्यु दर दोनों ही उच्च
द्वितीय	तीव्र जनसंख्या वृद्धि या विस्फोटक वृद्धि की अवस्था	उच्च जन्मदर व निम्न मृत्यु दर
तृतीय	धीमी जनसंख्या वृद्धि दर की अवस्था	जन्म व मृत्यु दर दोनों में प्रशंसनीय कमी
चतुर्थ	स्थिर जनसंख्या वृद्धि की अवस्था	जन्म दर व मृत्यु दर दोनों अत्यन्त निम्न

इस सिद्धान्त को भारत के सन्दर्भ में देखें तो निम्न अवस्थाएँ दृष्टिगोचर होती हैं

1.	1901 से 1921	स्थिर जनसंख्या
2.	1921 से 1951	धीमी गति से बढ़ती जनसंख्या

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

विश्व की प्रमुख जनजातियाँ

जनजाति	क्षेत्र
कुलामन	दक्षिण मिणडनाओ (फिलिपिन्स) के मूल निवसी हैं।
कुर्द	ईरान , इराक, आर्मीनिया तथा अजरबैजान में बड़े पठारी क्षेत्रों में रहने वाली एक पशुपालन कृषक।
लाई	म्यांमार के चिन पहाड़ियों में रहने वाली जनजाति।
लैप्स	दक्षिण स्कैण्डिनेवियाई उत्तरी रूस के कोला प्रायद्वीप की जनजाति जो मत्स्य – संग्रहण, रेन्डियर पालन तथा शिकार से अपना जीवन – यापन करती है।
माओरी	न्यूज़ीलैण्ड के मूल निवासी
युमा	उत्तरी अमेरिका में दक्षिणी - पश्चिमी एरीज मेक्सिको एवं कैलिफोर्निया में रहने वाले इंडियन लोग।
युइत	सैंबेरिया तथा अलास्का के सेंण्टलोरेन्स द्वीप के एस्कीमो लोग।
जुलू	दक्षिणी अफ्रीका में नैटाल प्रान्त के बाण्टूभाषी लोग।
जेमी	असम तथा म्यांमार के सीमांत क्षेत्र में रहने वाले लोग।
निग्रीटो	ओशिनिया और एशिया के पूर्वी द्वीप समूहों में ये पाए जाते हैं। यह छोटे कद के निग्रोयड कोग हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **प्रवास**

किसी कारण विशेष के लिए व्यक्ति अपने जन्म स्थान को छोड़कर कहीं अन्यत्र बसने लगता है, या रहने लगता है, तो उसे प्रवास कहते हैं। प्रथम बार प्रवास को 1881 ई० में भारत की जनगणना के समय अंकित किया गया। 1981 की जनगणना में प्रवास के कारणों को समाविष्ट किया गया। जनगणना के समय प्रवास के संबंध में निम्न प्रश्न पूछे जाते हैं। 1- क्या व्यक्ति उसी गाँव, शहर या जिले में पैदा हुआ है, यदि यहाँ पैदा नहीं हुआ है तो उसका

जन्म स्थान का पता करते हैं। 2- क्या व्यक्ति इसी गाँव या शहर में किसी अन्य स्थान से आया है। जिस गाँव या शहर से आया है वहाँ का नाम दर्ज करते हैं। सन् 2001 की जनगणना के अनुसार देश के 1029 करोड़ लोगों में से 30.7 करोड़ (भारत में 30 प्रतिशत) लोग प्रवासी के रूप में रह रहे हैं।

प्रवास की धारायें

प्रवास मुख्य रूप से दो रूपों में होता है। पहला आन्तरिक प्रवास, जिसमें देश के अन्दर प्रवास प्रदर्शित करता है। द्वितीय अन्तराष्ट्रीय प्रवास जिसमें देश के बाहर या अन्य देशों से देश के अन्दर प्रवास होता है। आन्तरिक प्रवास की मुख्य चार धाराये होती हैं।

1- गाँव से गाँव की ओर

2- गाँव से नगर की ओर

3- नगर से गाँव की ओर

4- नगर से नगर की ओर

उपर्युक्त प्रवासों में गाँव से गाँव की ओर का प्रवास महिलाओं में शादी के कारण अधिक होता है। जबकि गाँव से नगर की ओर का प्रवास पुरुषों में रोजगार के लिए अधिक होता है।

नगर से गाँव की ओर.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारत का सामान्य ज्ञान

अध्याय – 3

जल निकासी

(अपवाह तंत्र)

जल निकासी व्यवस्था प्रणाली

- अच्छी तरह से परिभाषित चैनलों के माध्यम से पानी के प्रवाह को जल निकासी के रूप में जाना जाता है और ऐसे चैनलों के नेटवर्क को जल निकासी प्रणाली के रूप में जाना जाता है।
- किसी क्षेत्र का जल निकासी पैटर्न भूवैज्ञानिक समय अवधि, प्रकृति और चट्टानों, स्थलाकृति, ढलान आदि की संरचना का परिणाम है।
- गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, कृष्णा, आदि से युक्त लगभग 77% जल निकासी क्षेत्र बंगाल की खाड़ी की ओर उन्मुख है।
- दूसरी ओर, 23% सिंधु, नर्मदा, तापी, माही, और पेरियार सिस्टम अरब सागर में अपने पानी का निर्वहन करते हैं।
- एक नदी नाली एक विशिष्ट क्षेत्र है, जिसे उस नदी के जलग्रहण क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।
- एक नदी और उसकी सहायक नदियों द्वारा बहने वाले क्षेत्र को जल निकासी बेसिन के रूप में जाना जाता है।
- । जल निकासी बेसिन को दूसरे से अलग करने वाली सीमा रेखा को वाटरशेड क्षेत्र कहा जाता है।

जल निकासी पैटर्न (Drainage Pattern)

- निम्नलिखित प्रमुख जल निकासी पैटर्न **जल निकासी व्यवस्था (Drainage System)** को दर्शाती है –
  - वृक्ष के समान
  - रेडियल
  - केंद्र की ओर जानेवाला
  - सलाखें
- एक जल निकासी पैटर्न जो बहुत सारे टहनियों के साथ पेड़ की शाखाओं की तरह दिखता है, **डेंड्रिटिक ड्रेनेज पैटर्न** (वृक्ष के समान) के रूप में जाना जाता है। जैसे कि, उत्तरी मैदान की नदियाँ।
- जब एक पहाड़ी से नदियाँ निकलती हैं और सभी दिशाओं में प्रवाहित होती हैं तो **रेडियल ड्रेनेज पैटर्न** बनता है। जैसे कि, अमरकंटक से निकलने वाली नदियाँ।
- **सेन्ट्रिपेटल ड्रेनेज पैटर्न** (केंद्र की ओर जानेवाला) तब बनता है जब नदियाँ अपने पानी को सभी दिशाओं से एक झील या एक अवसाद में छोड़ देती हैं। जैसे कि, मणिपुर में लोकतक झील।
- **ट्रेली जल निकासी पैटर्न** (सलाखें) तब बनता है जब मुख्य नदियों की प्राथमिक सहायक नदियाँ एक दूसरे के समानांतर बहती हैं और द्वितीयक सहायक नदियाँ उन्हें एक कोण पर जोड़ती हैं। जैसे कि, हिमालयी क्षेत्र के ऊपरी हिस्से में नदियाँ।

जल निकासी का वर्गीकरण

उत्पत्ति, प्रकृति और विशेषताओं के आधार पर भारतीय जल निकासी को.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9887809083, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें– 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अपवाह तंत्र

यद्यपि इस विभाजन योजना में चंबल, बेतवा, सोन आदि नदियों के वर्गीकरण में समस्या उत्पन्न होती हं। क्योंकि उत्पत्ति व आयु में ये हिमालय से निकलने वाली नदियों से पुरानी हैं। फिर भी यह अपवाह तंत्र के वर्गीकरण का सर्वमान्य आधार हैं।

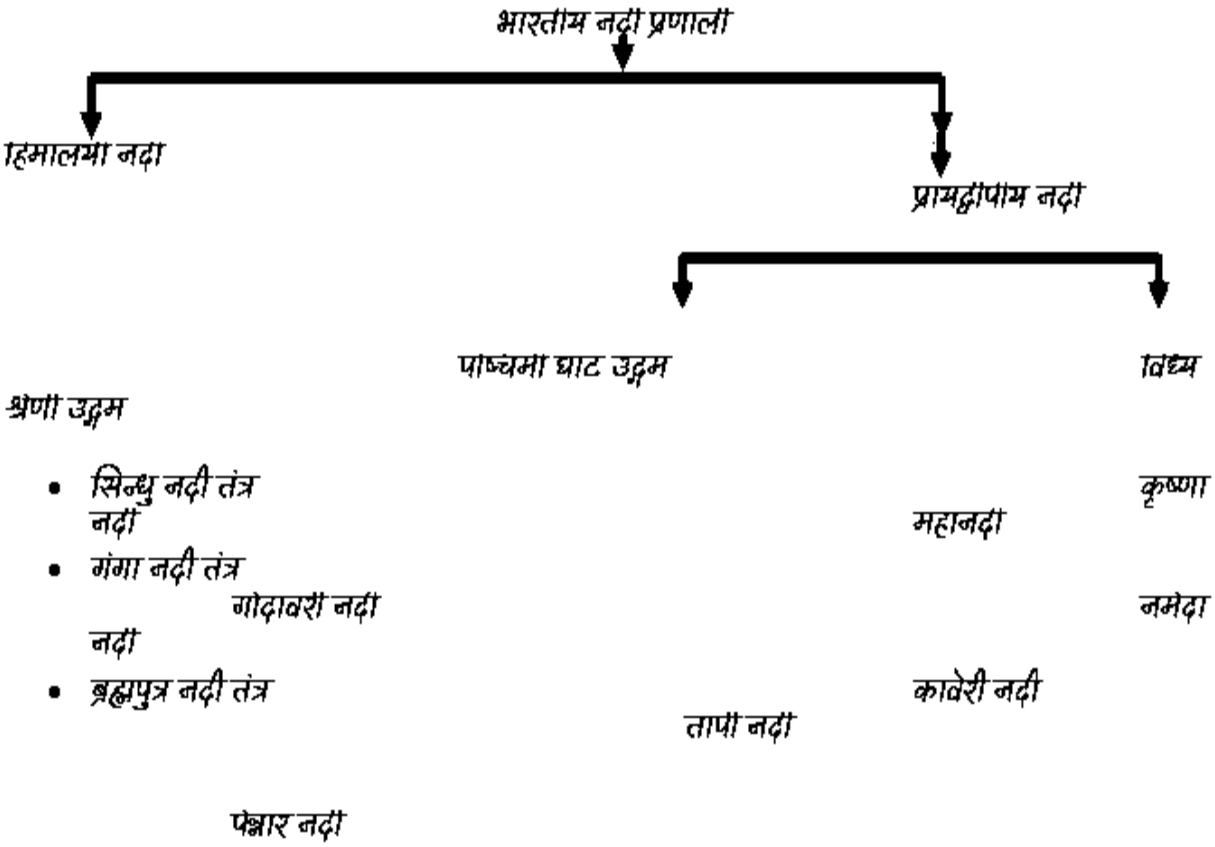

हिमालयी अपवाह तंत्र

उत्तर भारत के अपवाह तंत्र में हिमालय का अधिक महत्त्व हैं। ये नदियाँ तीव्र गति से अपनी घाटियों को गहरा कर रही हैं। उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले जाती हैं तथा मैंदानी भागों में जल प्रवाह की गति मंद पड़ने पर मैंदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं। इन्हीं नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैंदान का निर्माण हुआ है।

इस क्षेत्र की नदियाँ बारहमासी Prennial हैं क्योंकि ये वर्षण एवं बर्फ पिघलने दोनों क्रियाओं से जल प्राप्त करती हैं। ये नदियाँ गहरे महाखण्डों से गुजरती हैं। जो हिमालय के उत्थान के साथ-साथ होने वाली अपरदन क्रिया द्वारा निर्मित हैं।

इंड़ो ब्रह्मा नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते हैं। कि, मायोंसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी। जिसे शिवालिक या इंड़ो - ब्रह्मा नदी कहा गया हैं।

इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -

1.प में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ

2.मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

3.पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ

सिन्धु नदी तंत्र गंगा नदी तंत्र ब्रह्मपुत्र नदी

1. सिन्धु नदी तंत्र

सिन्धु जब संधि (1960)

तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलज का नियंत्रण भारत तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया -

1.व्यास, रावी, सतलुज — 80% पानी भारत

20% पानी पाकिस्तान

2.सिन्धु, झेलम, चिनाब — 80% पानी पाकिस्तान

20% पानी भारत

FREE SAMPLE

सिंधु नदी तंत्र

यह विश्व की सबसे बड़ी नदी श्रेणियों में से एक हैं, जिसका क्षेत्रफल ।। लाख, 65 हजार वर्ग km हैं । भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं ।

- सिन्धु नदी की कुल लंबाई 2,880 किमी. हैं। परंतु भारत में इसकी लम्बाई केवल 1,114 km हैं । भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे प नदी हैं ।

सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक हिमनद.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

खनिज एवं उर्जा संसाधन

भारत में खनिजों का वितरण -

खनिज संसाधनों की मेखलाऐ (Belts of Mineral Resources)

भारत में खनिजों का वितरण समान नहीं हैं । भारत में पाये जाने वाले विविध प्रकार के खनिजों को उनके वितरण के अनुसार निम्न मेखलाओं में सीमाबद्ध किया जा सकता है ।

1. **बिहार-झारखण्ड-उड़ीसा-पश्चिम बंगाल मेखला :** यह मेखला छोटा नागपुर व समीपवर्ती क्षेत्रों में फैली हुई हैं । यह मेखला लौह अयस्क मैंगनीज, तांबा, अभ्रक, चूना पत्थर, इल्मेंनाइट, फास्फेट, मॉक्साइट आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है । इसमे झारखण्ड खनिज उत्पादन की दृष्टि से प्रमुख राज्य है ।
2. **मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-आन्ध्रप्रदेश-महाराष्ट्र मेखला :** इस मेखला में भी लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट, चूना पत्थर, ऐस्बेस्टॉस, ग्रेफाइट, अभ्रक, सिलिका, हीरा आदि बहुलता से प्राप्त होते हैं।
3. **कर्नाटक-तमिलनाडु मेखला** : यह इखला सोना, लिग्नाइट, लौह अयस्क, तांबा, मैंगनीज, जिप्सम, नमक, चूना पत्थर के लिए प्रसिद्ध है।
4. **राजस्थान-गुजरात मे**खला : यह मेखला पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम, तांबा, जस्ता, घीया पत्थर, जिप्सम, नमक, मुल्तानी मिट्टी आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है।
5. **केरल मेखला** : केरल राज्य में विस्तृत इस मेखला में इल्मेनाइट, जिरकन, मोनोजाइट आदि अणुशक्ति के खनिज, चिकनी मिट्टी, गार्नेट आदि बहुलता से पाये जाते है।

भारत में उपलब्ध खनिज संसाधन (Available Mineral Resources in India)

FREE SAMPLE

वृहद तौर पर भारत में 125 प्रकार के ज्ञात खनिजों में आर्थिक दृष्टि से बड़े पैमाने पर महत्त्वपूर्ण खनिजों की संख्या 35 हैं। योजना आयोग ने भारत में खनिजों की उपब्धता व महत्ता के आधार पर 3 श्रेणियों में विभक्त किया है। पर्याप्त उत्पादन के साथ आर्थिक महत्त्व वाले खनिज : लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, कोयला, सोना, इल्मेनाइट, बॉक्साइट व भवन निर्माण सामग्री आदि । 2. पर्याप्त संरक्षित भण्डार वाले खनिज : औद्योगिक मिट्टियां, क्रोमाइट, अणु खनिज आदि। 3. औद्योगिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण किन्तु अल्प उपलब्धता वाले खनिज : टिन, गन्धक, निकल, तांबा, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, पारा, खनिज तैल आदि ।

नवीन भू-गर्भिक सर्वेक्षणो द्वारा देश मे प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, सीसा, जस्ता, ताश, सोना पाइराइट, फास्फेट, जिप्सम, लिग्नाइट आदि आर्थिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण खनिजों के नये भण्डार पाएं गये हैं। भारत में खनिज संसाधनों के भण्डार : देश मे प्रमुख खनिजों के संरक्षित भण्डार निम्नानुसार है।

लौह अयस्क (Iron Ore)

- आधुनिक औद्योगिक सभ्यता का आधारभूत खनिज - लौह अयस्क के भण्डार व उत्पादन की दृष्टि से भारत विश्व का एक महत्त्वपूर्ण देश हैं।
- भारत में लौह अयस्क मुख्यतः प्रायद्वीपीय धारवाड़ संरचना में पाया जाता है
- विश्व के कुल लौह अयस्क का लगभग 3 प्रतिशत भारत में निकाला जाता है
- कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से भी अधिक निर्यात कर दिया जाता है
- गोवा में उत्पादित होने वाले संपूर्ण लौह अयस्क को निर्यात कर दिया जाता है ।

लौह अयस्क के प्रकार (Types of Iron - Ore)

भारत में लौह अयस्क मुख्यतः 4 प्रकार का प्राप्त होता है :

1. मैग्नेटाइट 2. हेमेटाइट 3. लोमोनाइट 4. सिडेराइट

FREE SAMPLE

मैग्नेटाइट : यह सर्वोच्च किस्म का लौह अयस्क होता है, जिसमें शुद्ध धातु का अंश 72 प्रतिशत तक होता है। इसका रंग काला होता है। इसमें चुम्बकीय लोहे के ऑक्साइड होते हैं। मैग्नेटाइट अयस्क के भण्डार कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, झारखण्ड आदि राज्यों में पाये जाते हैं। 2. हेमेटाइट : यह लाल या भूरे रंग का.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

ऊर्जा संसाधन (Energy Resources)

उद्देश्य (Objectives) इस इकाई का अध्ययन करने के उपरान्त आप समझ सकेंगे कि -

- भारत में परम्परागत एवं गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का विवरण ।
- कोयलें का वितरण, उपयोग एवं संरक्षण ।
- खनिज तेल का वितरण, महत्त्व एवं संरक्षण ।
- जल विद्युत उत्पादन की आवश्यक दशाएं, उत्पादन क्षेत्र, उपयोग एवं महत्त्व ।
- आणविक ऊर्जा का उत्पादन, आणविक खनिज, उनका उत्पादन एवं संरक्षण ।

कोयला (Coal)

कोयला काला रंग भूरे रंग का कार्बन युक्त ठोस जीवाश्म ईंधन है, जो मुख्यतः अवसादी शैलों में पाया जाता है । यह ज्वलनशील होता है । यह घरेलू ईंधन से लेकर औद्योगिक ईंधन तक में उपयोग में लाया जाता है ।

कोयले की उत्पत्ति (Origin of coal)

कोयला एक खनिज पदार्थ है । जिसमें कार्बन की मात्रा अधिक पायी जाती है। कार्बन के अतिरिक्त ऑक्सीजन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन तथा अन्य कुछ अपद्रव्य पदार्थ कोयलें में पाएं जाते हैं । यह एक जीवाश्म वनस्पति है । प्रायः कोयले की उत्पत्ति के मुख्यतः दो युग माने जाते हैं । (1) कार्बोनीफेरस युग और (2) टरशियरी युग ।

कोयले की किस्में (Kinds of Coal)

कोयले में कार्बन तत्त्व की मात्रा के अनुसार ऊर्जा क्षमता होती है । इसके आधार पर निम्न किस्में पायी जाती हैं -

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(1) एंथ्रेसाइट (Anthracite) - यह कोयला सर्वोत्तम प्रकार का होता है । यह कठोर, चमकदार, रवेदार तथा भंगुर होता है । इसमें कार्बन की मात्रा 90 प्रतिशत से 96 प्रतिशत होती हैं। इसमें वाष्पशील पदार्थ बहुत कम होता है | यह जलने पर धुआं कम देता है तथा ताप बहुत अधिक होता है।

(2) बिटुमिनस (Bituminus)- यह काले रंग का चमकदार कोयला होता है । इसमें कार्बन की मात्रा 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत होती है । इसमें वाष्पशील पदार्थ की मात्रा अधिक होती है.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

भारतीय अर्थव्यवस्था

अध्याय – I

भारत में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में वृद्धि और विकास

कृषि

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था का प्रमुख आधार हैं। एक ओर जहाँ यह भारत की अधिकांश जनसंख्या को प्रभावित करती हैं, वही दूसरी ओर यह भारतीय जलवायु (Indian Climate), मृदा एवं अन्य संस्थागत कारकों से भी प्रभावित होती हैं।

भारत एक कृषि प्रधान देश हैं। अभी भी यहाँ की आधी से अधिक जनसंख्या का भरण-पोषण कृषि पर निर्भर हैं। यद्यपि सकल राष्ट्रीय उत्पादन में कृषि का अंशदान वर्ष 1951 में 60% से घटकर वर्ष 2014-15 में 14.7% तक पहुँच गया, फिर भी इसकी भूमि का महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह 52% जनसंख्या के रोजगार का स्त्रोत हैं। औद्योगिक क्षेत्र की प्रगति और उपलब्धि भी कृषिगत कच्चे माल पर ही निर्भर करती हैं।

भारत के कुल 328.726 मिलियन हेक्टेयर भौगोलिक क्षेत्रफल में से 195.10 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र 2009-2010 पर कृषि की जाती हैं, जबकि इसमें से 141.36% मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र शुद्ध बुआई क्षेत्र (Net Sowing Area) हैं 46.29% अर्थात् यहाँ वास्तविक रूप से कृषि होती हैं। गत 60 वर्षो में शुद्ध बुआई क्षेत्र में तीव्रगति से वृद्धि हुई हैं। वर्ष 1950-51 में इसके अधीन केवल 118.75 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र था।

स्थानित तौर पर पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र का 55% से अधिक प्रतिवेदित क्षेत्र (Reported Area) शुद्ध बुआई क्षेत्र के रूप में पाया जाता हैं। कृषि की दृष्टि से ये देश के अग्रणी क्षेत्र हैं।

विभिन्न प्रकार की खेतियों के नाम

एरोपोनिक	पौधों को हवा में उगाना

एपीकल्चर	मधुमक्खी पालन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
फ्लोरीकल्चर	फूल विज्ञान
ओलेरीकल्चर	सब्जी विज्ञान
पोमोलॉजी	फल विज्ञान
विटीकल्चर	अंगूर की खेती
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पिसीकल्चर	मत्स्यपालन
सेरीकल्चर	रेशम उद्योग
मोरीकल्चर	रेशम कीट हेतु (शहतूत उगाना)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

कृषि के अन्य प्रकार एवं प्रतिरूप :-

झूम कृषि - पूर्वोत्तर क्षेत्र में, वनों को जलाकर की जाती है।

गहन कृषि - कृषि आगतों का अधिक उपयोग।

विस्तृत कृषि - बड़े भूखण्डों (जोतों) में की जाने वाली कृषि।

बागानी कृषि - पहाड़ी ढालों के सहारे बागानों की जाने वाली कृषि।

जीवन-निर्वाह कृषि - जीवनयापन के उद्देश्य से।

मिश्रित कृषि - कृषि के साथ पशुपालन।

सतत कृषि - पारिस्थितिकी के सिद्धान्तों के अनुसार की जाने वाली कृषि

मिश्रित कृषि - दो-या-दो से अधिक फसलों को एक साथ एक ही खेत में उगाना।

अंतराफसलीकरण - दो-या-दो से अधिक फसलों को एक साथ एक निश्चित पैटर्न पर उगाना।

फसल चक्र - परिपक्वता के आधार पर विभिन्न फसल सम्मिश्रण के लिए फसल चक्र।

भारत की फसल ऋतुएँ

भारत की भौतिक संरचना, जलवायविक (Climatic) एवं मृदा सम्बन्धी विभिन्नताएँ ऐसी हैं, जो विभिन्न प्रकार की फसलों की कृषि को प्रोत्साहित करती हैं। देश के उत्तरी एवं आन्तरिक भागों में तीन प्रमुख फसल खरीफ, रबी व जायद के नाम से जानी जाती हैं।

I. खरीफ

ये वर्षा काल की फसलें हैं, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रारम्भ जून-जुलाई होन। के साथ बोई जाती हैं तथा सितम्बर-अक्टूबर तक काट ली जाती इसमें । उष्णकटिबन्धीय फसलें शामिल हैं, जिसके अन्तर्गत चावल, चार बाजरा, मक्का, जूट, मूंगफली, कपास, सन, तम्बाकू, मूंग, उड़द, लोबिया आदि की कृषि की जाती हैं।

2. रबी

ये फसल सामान्यतः अक्टूबर में बोई जाती हैं और मार्च में काट ली जाती हैं। इस समय का कम तापमान शीतोष्ण एवं उपोष्ण कटिबन्धीय फसलों के लिए सहायक होता हैं। इस ऋतु में सिंचाई की आवश्यकता ज्यादा पड़ती हैं। इसके अन्तर्गत शामिल प्रमुख फसलें- गेहूँ, जौं, चना, मटर, सरसों, राई आदि हैं।

3. जायद

जायद एक अल्पकालिक एवं ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु हैं, जो रबी एवं खरीफ के मध्यवर्ती काल में अर्थात् अप्रैल में बोई जाती हैं और जून तक काट ली जाती हैं। इसमें सिंचाई की

सहायता से सब्जियों तथा खरबूजा, ककड़ी, खीरा, करेला आदि की कृषि की जाती है। मूंग एवं कुल्थी जैसी दलहन फसलें भी इस समय उगाई जाती हैं। यद्यपि इस प्रकार की पृथक फसल ऋतुएँ देश के.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

- **उद्योग क्षेत्र**

उद्योग आर्थिक विकास का आधार माना जाता है। इससे ना केवल कृषि के आधुनिकीकरण बल्कि द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने में भी सहायता मिलती है। औद्योगिक विकास बेरोजगारी व गरीबी उन्मूलन की एक आवश्यक शर्त है।

स्वतंत्रता पूर्व औद्योगिक विकास

प्राचीन काल में भारत अपने कुटीर उद्योगों, शिल्पो तथा वाणिज्य के लिए विख्यात था। आधुनिक औद्योगिक युग के आगमन के पूर्व भारत में कुटीर तथा घरेलू उद्योग समुन्नत थे। भारतीय मलमल, सूतीवस्त्र एवं रेशमी वस्त्र, छपे हुए सूती वस्त्र, कलात्मक वस्तुएं आदि की विश्व में बहुत मांग थी किंतु इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति ने भारत के परंपरागत हस्तशिल्प के ऊपर कठोर वज्रपात किया। भारत में औपनिवेशिक काल में उद्योगों का पर्याप्त विकास नहीं हो पाया। आधुनिक उद्योगों की स्थापना का प्रथम सफल प्रयास सन 1854 में मुंबई में सूती वस्त्र बनाने और 1855 में रिसरा में (प्रथम जूट मिल कोलकाता के निकट) जूट कारखाने को स्थापित करके किया गया। 1874 ई में कुल्टी में कच्चा लोहा बनाने का कारखाना स्थापित किया गया। वर्ष 1907 में जमशेदपुर में टाटा लौह इस्पात के कारखाने की स्थापना से औद्योगिक विकास को नई दिशा मिली।

स्वतंत्रता पश्चात औद्योगिक विकास

6 अप्रैल 1948 में प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा की गई। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए स्पष्ट क्षेत्रों का बंटवारा करने वाले इस पहली औद्योगिक नीति के द्वारा ही देश में मिश्रित एवं नियंत्रित अर्थव्यवस्था की नींव रखी गई

इसके पश्चात समाजवादी आर्थिक विकास के स्थापना के उद्देश्य से प्रथम औद्योगिक नीति में व्यापक परिवर्तन करते हुए दूसरी औद्योगिक नीति की घोषणा 30 अप्रैल 1956 को की

गई। इसके अंतर्गत उद्योगों को सार्वजनिक, निजी तथा संयुक्त क्षेत्रों में विभाजित किया गया और अवशिष्ट उद्योगों को निजी उद्यम के लिए खुला छोड़ दिया गया। बाद में समय-समय पर पंचवर्षीय योजना में उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर, नई औद्योगिक नीतियों की घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की जाती रही किंतु इन सब का आधार 1956 की औद्योगिक नीति प्रस्ताव ही रहा ।

पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत उद्योग क्षेत्र में वृद्धि

क्रम सं.	योजना अवधि	उद्योग क्षेत्र में वृद्धि %
1	पहली योजना	5.54
2	दूसरी योजना	5.59

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

- **सेवा क्षेत्र**

अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जो सेवा से सम्बंधित कार्यो में लगा हुआ है सेवा क्षेत्र कहलाता है सेवा क्षेत्र में मुख्य रूप से शामिल होने वाली सेवाएं इस प्रकार हैं:- परिवहन, कूरियर, सूचना क्षेत्र की सेवाएं, प्रतिभूतियां, रियल एस्टेट,होटल एवं रेस्टोरेंट, वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वास्थ्य कल्याण और सामाजिक सहायता; तथा कला, और मनोरंजन सेवाएं इत्यादि आतीं हैं।

यह क्षेत्र भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में करीब 60 फीसदी का योगदान देता हैं। इसे अर्थव्यवस्था के तीसरे क्षेत्र (Tertiary sector) के रूप में भी जाना जाता हैं।

विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाएं के विकास के ट्रेंड का अध्ययन करने के बाद पता चलता है कि जो देश विकास की राह पर आगे बढ़ते हैं उन देशों की अर्थव्यस्थाएँ कृषि क्षेत्र से हटकर सेवा क्षेत्र की तरफ बढती हैं अर्थात उन देशों की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ता जाता है और कृषि का घटता जाता है, भारत में मामले में भी यही तथ्य देखने को मिला है । 1951 में भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 51% जो कि वर्तमान में केवल 14% के लगभग है ।

भारत के सेवा क्षेत्र ने हमेशा से ही देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख रूप से सेवा की हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान लगभग 60 फीसदी तक हैं। इस संबंध में वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं।

बीमा, पर्यटन, बैंकिंग, खुदरा, शिक्षा, और सामाजिक सेवाएं आदि जैसे सेवा क्षेत्र में अर्थव्यवस्था के नरम (सॉफ्ट) हिस्से होते हैं। नरम -क्षेत्र (सॉफ्ट सेक्टर) के रोजगार में लोग उत्पादकता, प्रभावशीलता, प्रदर्शन में सुधार क्षमता और स्थिरता बनाने के लिए अपने समय का प्रयोग संपति बनाने, संपति एकत्र करने तथा प्रकिया विनीयोजन के लिए करते हैं। सेवा उद्योग में कारोबार के लिए सेवाओं के प्रावधान के साथ- साथ अंतिम उपभोक्ता भी शामिल रहते हैं। सेवाओं को उत्पादक से एक ग्राहक तक पहुंचने में परिवहन, वितरण

और माल की बिक्री शामिल हो सकती है जो एक थोक और खुदरा व्यापार के रूप में भी हो सकती/सकता है, अथवा पेस्ट कंट्रोल या मनोरंजन के रूप में भी एक सेवा का प्रावधान शामिल हो सकता है। थोक और खुदरा बिक्री में सेवा, एक उपभोक्ता के लिए निर्माता से परिवहन, वितरण और माल की बिक्री में शामिल हो सकती है। माल को एक सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया में तब्दील किया जा सकता है, जैसे- रेस्तरां उद्योग में या उपकरणों की मरम्मत में होता है। हालांकि, भौतिक वस्तुओं को बदलने की बजाय मुख्य लक्ष्य, लोगों का एक दूसरे के साथ बातचीत करना तथा ग्राहक की सेवा करना होता है।

बाजार का आकार

भारत में बैंकिंग परिसंपत्तियों का आकार वित्त वर्ष 13 में 1.8 खरब अमेरिकी डॉलर का था और वित्त वर्ष 2025 तक इसके 28.5 खरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) अधिनियम 2013 के पारित होने के बाद, भारत में पेंशन बिजनेस.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 2

राष्ट्रीय आय और उत्पाद

1. प्रस्तावना – किसी भी देश मे उपलब्ध सीमित आर्थिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के बारे मे पता लगाने तथा लोगों को मिलने वाले आर्थिक कल्याण कि जानकारी लेने के लिए राष्ट्रीय आय और उत्पाद का अध्ययन किया जाता है।

2. राष्ट्रीय आय और उत्पादन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाए ⇒

i. GDP (Gross Domestic Product) – किसी भी देश कि घरेलू सीमा के भीतर किसी एक वर्ष मे उत्पादित कि गहई सभी अनितं वस्तुयों और सेवाओ के बाजार मूल्यों के समग्र योग को GDP कहते हैं।

GDP कि उपर्युक्त परिभाषा को ध्यान मे रखते हुए इसकी मुख्य बातों को निम्न बिन्दुओ द्वारा अभिव्यक्त किया जा सकता है।

a. GDP मे केवल उसी उत्पादन को सम्मिलित किया जाएगा जो देश कि घरेलू सिमिया मे हुआ हो, भले ही, उस उत्पादन मे FDI कि बहु इक रही हो।

इसी प्रकार, यदि भारत के संसाधन (जैसे – Software Engineer) अन्य राष्ट्रों मे (जैसे – USA) उत्पादन मे योगदान करते है तो उनका योगदान भारत कि GDP मे सम्मिलित नहीं होगा।

b. उत्पादन के अंतर्गत सभी वस्तुओ अथवा सेवाओ को ध्यान मे नहीं रखा जाएगा.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9887809083 , 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

iii. विशुद्ध / निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP – Net National Product)

GNP – Depreciation

मूल्य ह्रास / अपकर्ष / मशीनों के गिरावट का अनुमानित मूल्य

Note → सैद्धांतिक रूप से NNP / NDP की अवधारणा GDP / GNP की तुलना में अच्छी होती है क्योंकि NNP / NDP में मशीनों की गिरावट को समायोजित कर दिया जाता है। गिरावट को समायोजित करने से देश की उत्पादन क्षमता बनी रहती है।

व्यवहारिक रूप से तुलना करने के लिए NNP / NDP के बजाय GNP / GDP को अधिक महत्व दिया जाता है। इसका.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9887809083, 9694804063,

अध्याय - 8

भारतीय संविधान

भारत सरकार के 1919 और 1935 के अधिनियमों के विशेष संदर्भ में भारत का संवैधानिक इतिहास

भारत शासन अधिनियम 1919

वर्ष 1918 में राज्य सचिव एडविन सेमुअल मांटेग्यू (Edwin Samuel Montagu) और वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड ने संवैधानिक सुधारों की अपनी योजना तैयार की, जिसे मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड (या मोंट-फोर्ड) सुधार के रूप में जाना जाता है, जिसके कारण वर्ष 1919 के भारत शासन अधिनियम को अधिनियमित किया गया।

वर्ष 1921 में मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों को लागू किया गया।

इस अधिनियम का एकमात्र उद्देश्य भारतीयों का शासन में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना था।

अधिनियम ने केंद्र के साथ-साथ प्रांतीय स्तरों पर शासन में सुधारों की शुरुआत की।

- **कार्यपालिका:**
- इस अधिनियम ने गवर्नर-जनरल को मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी बनाया।
- वायसराय की कार्यकारी परिषद में आठ सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया जिसमें तीन भारतीय सदस्यों को शामिल करना था।
- गवर्नर जनरल को अनुदानों में कटौती करने का अधिकार था, वह केंद्रीय विधायिका द्वारा लौटा दिये गए बिलों को प्रमाणित कर सकता था तथा अध्यादेश जारी कर सकता था।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***विधानमंडल में सुधारः***
- *द्विसदनीय विधानमंडलः अधिनियम में द्विसदनीय विधायिका की शुरुआत की गई जिसमें **निम्न सदन** या **केंद्रीय विधानसभा** (Lower House or Central Legislative Assembly) और **उच्च सदन** या **राज्य परिषद** (Upper House or Council of State) शामिल थी।*

नए सुधारों के तहत अब केंद्रीय विधानमंडल के सदस्य को सरकार से .....

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न

RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

FREE SAMPLE

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें– 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **संविधान निर्माण**

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम० एन. रॉय ने रखा।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है।
- क्रिप्स मिशन 1942 में भारत आया ।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड सर पैथिक लारेंस (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ । मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- सविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी । इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देसी रियासतों को दी जानी थी ।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देसी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी । आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था। यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम्स, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर)।
- प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधियों का चुनाव प्रांतीय असेंबली में उस समुदाय के सदस्यों द्वारा एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था के अनुसार किया जाना था।
- देसी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखों द्वारा किया जाना था।

स्पष्ट है कि संविधान सभा आंशिक रूप से चुनी हुई और आंशिक रूप से निम्नांकित सभा थी।

उपरोक्त योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए। इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली। देसी रियासतों को आवंटित की गई 93 सीटें नहीं भर पाए क्योंकि उन्होंने खुद को संविधान सभा से अलग रखने का निर्णय ले लिया था।

आक्षेप किया जा सकता है कि संविधान सभा का चुनाव भारत के वयस्क मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं हुआ था। तब भी यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि इसमें प्रत्येक समुदाय :- हिंदू, मुस्लिम,सिख, पारसी,आंग्ल भारतीय, भारतीय ईसाई,अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों को स्थान प्राप्त हुआ था। इसमें पुरुषों के साथ पर्याप्त संख्या में महिलाएं भी थी। महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दें तो सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे।

<u>उद्देश्य प्रस्ताव</u> :-

FREE SAMPLE

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई। मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया और अलग पाकिस्तान की मांग उठाई। सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया। 2 दिन पश्चात 11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को सभा का स्थाई अध्यक्ष बनाया गया, जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया। संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-

- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में स्थापित किया जाए।
- भारत की संप्रभुता का स्रोत भारत की जनता होगी।.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है। इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा। यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 7

भारतीय राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के कार्यालय

- **राष्ट्रपति**
- भारत में 'राष्ट्रप्रमुख' के रूप में राष्ट्रपति के पद की व्यवस्था को अपनाया गया है। ब्रिटिश क्राउन और अमेरिकी राष्ट्रपति से भिन्न, संविधान निर्माताओं ने भारतीय व्यवस्था के अनुरूप इस पद के एक संतुलित स्वरूप को अपनाया। गणतांत्रिक प्रणाली होने के कारण संविधान में 'निर्वाचित राष्ट्रपति' के प्रावधान को शामिल किया गया।

I..I. कार्यपालिका प्रमुख

- मंत्रिमंडलीय कार्यपालिका में सामान्यतः दो प्रमुख होते हैं: एक 'वास्तविक प्रमुख' एवं दूसरा 'नाममात्र या औपचारिक प्रमुख'। भारत में राष्ट्रपति नाममात्र प्रमुख हैं। तथा राष्ट्रपति कार्यालय की प्रकृति काफी सीमा तक औपचारिक है।
- शासन व्यवस्था में औपचारिक प्रमुख की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से होती है:
- राष्ट्र प्रमुख के रूप में: राष्ट्रपति देश की एकता, अखण्डता एवं एकजुटता का प्रतीक है। अतः व्यवहारिक रूप से राजप्रमुख न होते हुए भी भारतीय राष्ट्रपति को राष्ट्रप्रमुख की भूमिका प्रदान की गयी है।
- दलगत राजनीति से मुक्त रखने हेतः राष्ट्रपति कार्यालय को दलगत राजनीति से ऊपर माना जा सकता है।
- प्रशासन की निरंतरता हेतुः मंत्रिपरिषद का कार्यकाल अनिश्चित होता है और यह लोकसभा में बहुमत पर निर्भर करता है। ऐसे में प्रशासन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक निश्चित कार्यकाल वाले कार्यालय का होना आवश्यक है।
- संघवादी स्वरूप को बनाए रखने हेतुः भारत के संदर्भ में एक अतिरिक्त कारण, संघवाद भी है। राज्य विधानसभाओं के सदस्य भी राष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेते हैं। इसलिए,

FREE SAMPLE

यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रपति संघ के अतिरिक्त राज्यों का भी प्रतिनिधित्व करता है।

- संविधान के भाग 5 के अनुच्छेद 52 से 78 तक में संघ की कार्यपालिका का वर्णन है ।
- अनुच्छेद 52 के अनुसार, भारत का एक राष्ट्रपति होगा । यहाँ "होगा" शब्द के लिए "shall" का प्रयोग किया गया है, जिसका अर्थ है कि भारत का राष्ट्रपति अपने पद पर सदैव विद्यमान होगा । यह पद न तो कभी रिक्त रखा जा सकता है और न ही इसे कभी समाप्त किया जा सकता है । राष्ट्रपति का चुनाव, इसके कार्यकाल की समाप्ति से पहले ही संपन्न करवाए जाने का प्रावधान किया गया है । अस्वस्थता के कारण अस्थायी अनुपस्थिति आदि के मामले में उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति का पद धारण करेगा जब तक कि राष्ट्रपति अपना पदभार पुनर्ग्रहण न करें ।

1.2. स्थायी कार्यपालिका एवं अस्थायी कार्यपालिका

अनुच्छेद 53 (1) के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह इसका प्रयोग इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा।

विवरण

- राष्ट्रपति, अपनी इस कार्यपालिकीय शक्ति का प्रयोग मुख्यतः दो प्रकार के अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करता है ।
- स्थायी कार्यपालिका या नौकरशाही
- अस्थायी या राजनीतिक कार्यपालिका
- स्थायी कार्यपालिका या नौकरशाही

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- स्थायी कार्यपालिका के अंतर्गत अखिल भारतीय सेवाएँ (IAS, IPS, IFoS), प्रांतीय सेवाएँ] स्थानीय सरकार के कर्मचारी और लोक उपक्रमों के तकनीकी एवं प्रबंधकीय अधिकारी सम्मिलित होते हैं।
- नौकरशाही अथवा स्थायी कार्यपालिका की आवश्यकता क्यों ?
- संविधान निर्माता ब्रिटिश शासन के दौरन अपने अनुभव से गैर-राजनीतिक एवं व्यावसायिक रूप से दक्ष प्रशासनिक मशीनरी के महत्त्व को जानते थे।
- नौकरशाही, वह माध्यम हैं जिसके द्वारा सरकार की लोकहितकारी नीतियाँ जनता तक igqWaprh हैं।
- सरकार के स्थायी कर्मचारी के रूप में कार्य करने वाले ये प्रशिक्षित एवं प्रवीण अधिकारी, नीतियों को बनाने व उसे लागू करने में मंत्रियों का सहयोग करते हैं।
- वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में नीति-निर्माण एक अत्यंत ही जटिल कार्य बन गया है जिसके लिए विशेषज्ञता एवं गहन ज्ञान की आवश्यकता है। इसके लिए दक्ष एवं स्थायी कार्यपालिका की आवश्यकता है।

राजनीतिक या अस्थायी कार्यपालिका का ध्यान सामान्यतः नीति-निर्माण एवं.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 9

राजनीतिक दल और दबाव समूह

परिभाषाः

राजनीतिक दल वे स्वच्छैकि संगठन अथवा लोगों के वे संगठित समूह होते हैं जो समान दृष्टिकोण रखते हैं तथा जो संविधान के प्रावधानों के अनुरूप शब्द को आगे बढ़ाने के लिऐ राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य में चार प्रकार के राज नैतिक दल होते हैं।

प्रतिक्रियावादी

सुधारवादी

राजनैतिक

दल

रूढ़िवादी

विद्यमान व्यवस्था को हटाकर पुरानी सामान्य आ. तथा राज नैतिक संस्थाओं से चिपके रहना

नई स्थापित करना चाहते हैं।

लक्ष्य - विद्यमान संस्थाओं में सुधार करना।

यथा स्थिति में विश्वास करते हैं।

राजनैतिक दलों की भूमिका/कार्य

दलीय संगठन को सुदृढ़ बनानाः

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रत्येक राजनीतिक दल अपने संगठन को सुदृढ बनाने के लिए गांव नगर व तहसील जनपद और प्रान्तीय स्तर पर अपनी इकाईयों की स्थापना करता है। जिन पर राष्ट्रीय स्तर की इकाई द्वारा नियंत्रण रखा जाता है।

नीति निर्धारित करनाः

नीति निर्धारित करते समय वैदेशिक सम्बन्धों, आन्तरिक क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था शिक्षा, रोजगार आदि राष्ट्रीय हित से सम्बन्धित बातों का ध्यान रखा जाता है।

नीतियों एवं कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करना

समान्य निर्वाचन के समय अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जनता समक्ष प्रस्तुत करके यह आश्वासन देते हैं कि सत्ता में आने पर इन नीतियों एवं कार्यक्रमों का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन किया जाएगा।

निर्वाचन हेतु प्रत्याशियों का चयनः

राजनीतिक दलों का प्रमुख कार्य निर्वाचन हेतु योग्य प्रत्याशियों का चयन करना है, जो निर्वाचन में विजयी हो सके।

शासन का संचालन एवं पथ प्रदर्शन करना

बहुमत प्राप्त दल जहां अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने का प्रयत्न करता है, वहीं विपक्षी दल शासन की जनहित विरोधी दृष्टिकाकेण और कार्यो की आलोचना करके शासन को नियंत्रित करते है।

जनमत की परख

किस विधेश्यक किस कानून, किस आदेश और किस निर्णयन के विषय में जनता का क्या मत है, इसकी निरंतर जांच करते रहना राजनीतिक दलों का एक महम्वपूर्ण कार्य है।

शासन और जनता के मध्य एक कडी

राजनीतिक दल ही शासन की नीतियों से जनता को अवगत कराते है और.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***दबाव समूह***

- *दबाव समूह शब्द का प्रयोग उन हित-समूहों के लिये किया जाता है जिनके प्रभाव डालने के तरीके सामान्य माध्यमों की अपेक्षा अधिक दबावपूर्ण होते हैं। ये समूह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये दबाव के अतिरिक्त असंवैधानिक तरीके अपनाने से भी नहीं हिचकिचाते हैं।*

दबाव समूह को हितैषी समूह या हितार्थ समूह भी कहा जाता है! यह राजनीतिक दलों से भिन्न होते हैं ये न तो चुनाव में भाग लेते हैं और न ही राजनीतिक शक्तियों को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। यह कुछ खास कार्यक्रमों और मुद्दों से संबंधित होते हैं और इनकी इच्छा सरकार में प्रभाव बनाकर अपने सदस्यों की रक्षा और हितों को बढ़ाना होता है!

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दबाव समूह के उद्देश्य या लक्षण–

दबाव समूह के लक्षण इस प्रकार हैं ।

(1) दबाव समूह (Pressure Group) का उद्देश्य सार्वजनिक हित के स्थान पर अपने सदस्यों का हित कल्याण करना होता है!

(2) दबाव समूह का उद्देश्य सीमित होता है, किसी वर्ग विशेष के हितों की रक्षा करना इनका उद्देश्य होता है!

(3) दबाव समूह अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संवैधानिक और असंवैधानिक साधनों का प्रयोग आवश्यकतानुसार करते हैं!

(4) Pressure Group का स्वरूप संगठित या असंगठित प्रकार का हो सकता है!

(5) दबाव समूह पूंजीवादी राष्ट्र तथा लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में अधिक फलीभूत होते हैं!

(6) दबाव समूह विधि और तर्कसंगत तरीकों द्वारा सरकार की नीति निर्माण और नीति निर्धारण को प्रभावित करते हैं!

दबाव समूह के कार्य करने की पद्धति -

दबाव समूह का प्रमुख उद्देश्य अपने हितों के अनुकूल सरकारी निर्णय को प्रभावित करना होता है जिसके लिए वह कई तरीके अपनाता है जिनको निम्न बिंदु के अंतर्गत रखा जा सकता है।

(1)दबाव समूह जन अभियान द्वारा अनुकूल जनमत का निर्माण करने का प्रयास करता है जिसके लिए वह समाचार-पत्र, विज्ञापन, पंपलेट, इस्तहार, विचार गोष्ठियों का आयोजन आदि का प्रयोग करता है जिससे वह सरकार पर दबाव डाल सके!

(2) यह सरकारी नीति को.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये

नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – II

भारत और संयुक्त राष्ट्र संघ

- भारत संयुक्त राष्ट्र के उन प्रारंभिक सदस्यों में शामिल था जिन्होंने 1 जनवरी, 1942 को वाशिंग्टन में संयुक्त राष्ट्र घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे तथा 25 अप्रैल से 26 जून, 1945 तक सेन फ्रांसिस्को में ऐतिहासिक संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन सम्मेलन में भी भाग लिया था।
- संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत, संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों और सिद्धांतों का पुरजोर समर्थन करता है और चार्टर के उद्देश्यों को लागू करने तथा संयुक्त राष्ट्र के विशिष्ट कार्यक्रमों और एजेंसियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- 1950 और 1960 के दशकों में, भारत ने अफ्रीका एवं एशिया के उस समय तक गुलाम देशों की आजादी के पक्ष में दलील देने के लिए संयुक्त राष्ट्र में नव स्वतंत्र देशों का नेतृत्व किया।
- भारत ने उपनिवेशिक देशों एवं लोगों को आजादी प्रदान करने पर 1960 की महत्वपूर्ण घोषणा को सह प्रायोजित किया जिसने सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों के उपनिवेशवाद को किसी शर्त के बिना समाप्त करने की आवश्यकता को प्रमाणित किया।
- भारत दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद एवं नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध लड़ाई में भी सबसे आगे रहा। भारत ऐसा पहला देश था जिसने 1946 में संयुक्त राष्ट्र में इस मुद्दे को उठाया और महासभा द्वारा रंगभेद के विरुद्ध उप समिति के गठन में अग्रणी भूमिका निभायी।

भारत 1965 में अपनाए गए.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

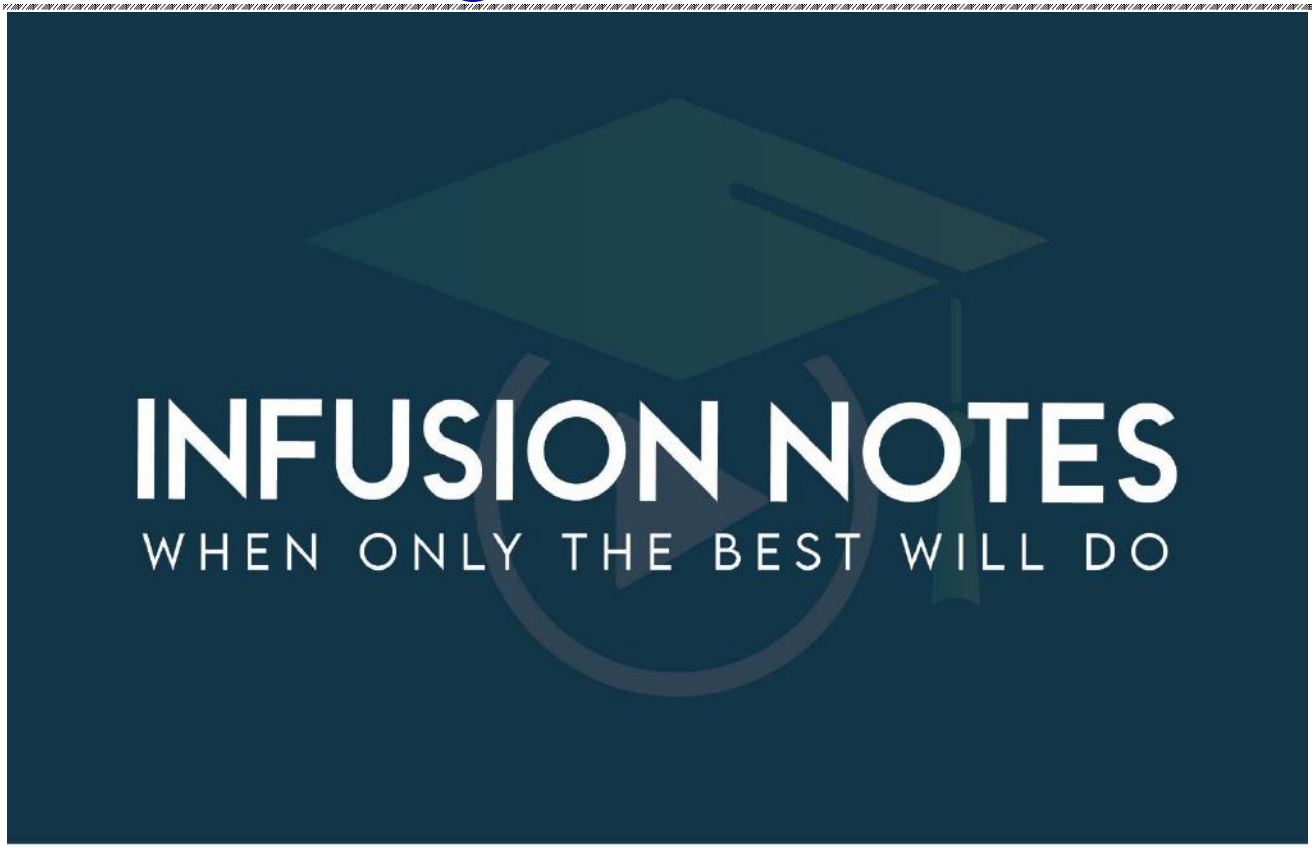

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/